

---

# Shri Shivapanchachamara Stotram

---

## श्रीशिवपञ्चचामरस्तोत्रम्

---

### Document Information

---

Text title : Shri Shivapanchachamara Stotram 02 12

File name : shivapanchachAmarastotram.itx

Category : shiva, stotra

Location : doc\_shiva

Proofread by : Aruna Narayanan

Description/comments : From stotrArNavaH 02-12

Latest update : July 25, 2021

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

July 25, 2021

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीशिवपञ्चचामरस्तोत्रम्



सुवर्णपद्मिनीतटान्तदिव्यहर्म्यवासिने  
सुपर्णवाहनप्रियाय सूर्यकोटितेजसे ।  
अपर्ण्या विहारिणे फणाधरेन्द्रधारिणे  
सदा नमः शिवाय ते सदाशिवाय शम्भवे ॥ १ ॥

सुतुङ्गभङ्गजहुजासुधांशुखण्डमौलये  
पतङ्गपङ्कजासुहृत्कृपीटयोनिचक्षुषे ।  
भुजङ्गराजकुण्डलाय पुण्यकालिवन्धवे  
सदा नमः शिवाय ते सदाशिवाय शम्भवे ॥ २ ॥

चतुर्मुखाननारविन्दवेदगीतभूतये  
चतुर्भुजानुजाशरीरशोभमानमूर्तये ।  
चतुर्गुणद्विरष्टकप्रकारचित्रकेलये  
सदा नमः शिवाय ते सदाशिवाय शम्भवे ॥ ३ ॥

शरन्निशाकरप्रकाशमन्दहासमञ्जुला-  
धरप्रवालभासमानवक्रमण्डलश्रिये ।  
करस्फुरत्कपालमुक्तविष्णुरक्तपायिने  
सदा नमः शिवाय ते सदाशिवाय शम्भवे ॥ ४ ॥

सहस्रपुण्डरीकपूजनैकशून्यदर्शना-  
सहस्वनेत्रकल्पितार्चनाच्युताय भक्तितः ।  
सहस्रभानुमण्डलप्रकाशचक्रदायिने  
सदा नमः शिवाय ते सदाशिवाय शम्भवे ॥ ५ ॥

सहस्रहल्लवीरभद्रसिंहनादगर्जिता  
श्रुतिप्रभेददक्षयागभो??स्मना ।  
(??)  
सदा नमः शिवाय ते सदाशिवाय शम्भवे ॥ ६ ॥

रसारथाय रम्यपत्रभृद्रथाङ्गपाणये  
धराधरेन्द्रचापशिञ्जिनीकृतानिलाशिने ।  
सुसारथीकृतानुजानु वेदरूपवादिने  
सदा नमः शिवाय ते सदाशिवाय शम्भवे ॥ ७ ॥

मृकण्डुसूनुरक्षणावधूतदण्डपाणये  
सुखण्डमण्डलस्फुरत्प्रभाजितामृतांशवे ।  
अखण्डभोगसम्पदर्थलोकभावितात्मने  
सदा नमः शिवाय ते सदाशिवाय शम्भवे ॥ ८ ॥

मधुरिपुविधुशक्रमुख्यदेवै-  
रपि नियमार्चितपादपङ्कजाय ।  
कनकगिरिशरासनाय तुभ्यं  
रजतसभापतये नमः शिवाय ॥ ९ ॥

॥ इति श्रीशिवपञ्चचामरस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by Aruna Narayanan

---

—  
*Shri Shivapanchachamara Stotram*

pdf was typeset on July 25, 2021

—

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

